पी॰सी॰पी॰ के आयोजन हेतु अध्ययन केन्द्रों को निर्देश

1. दूरस्थ शिक्षा पद्धति में पी॰सी॰पी॰ कक्षाओं का महत्वपूर्ण स्थान है। डी॰एल॰एड॰ पाठ्यक्रम के प्रथम सत्र में 15 पी॰सी॰पी॰ कक्षाएँ आयोजित होनी हैं। प्रत्येक सेवारत शिक्षक की पी॰सी॰पी॰ कक्षाओं में 75% उपस्थिति अनिवार्य है। पी॰सी॰पी॰ कक्षाओं के आयोजन में प्रथम दिवस अति महत्व का है। प्रथम दिवस की पी॰सी॰पी॰ की सफलता पर आगामी दिवसों की पी॰सी॰पी॰ की गुणवत्ता निर्भर करेगी, अतः प्रथम दिवस की पी॰सी॰पी॰ का आयोजन अधिक सावधानी एवं एकाग्रता से किए जाने की आवश्यकता है।
2. प्रथम दिवस के पी॰सी॰पी॰ आयोजन में निम्न बातों का ध्यान रखें :-
    - ✓ अध्ययन केंद्र पर आने वाले सभी सेवारत शिक्षकों का पंजीकरण किया जाए। विवरण में उनका नाम, पिता का नाम, विद्यालय का नाम जहां कार्यरत हैं, मोबाइल नंबर इत्यादि अंकित किया जाए। इस हेतु एक पंजीकरण फ़ाइल / रजिस्टर बना लिया जाए।
    - ✓ द्विवर्षीय डी॰एल॰एड॰ पाठ्यक्रम केवल ऐसे सेवारत शिक्षकों के लिए आयोजित किया जा रहा है, जो 10 अगस्त 2017 को या उससे पूर्व प्राथमिक कक्षाओं में नियुक्त हो कर अध्यापन कार्य कर रहे है। अतः जो व्यक्ति उक्त श्रेणी के अंतर्गत नहीं है, वह डी॰एल॰एड॰ में पंजीकरण के योग्य नही है। अतः अहर्ता प्राप्त शिक्षक का ही पंजीकरण किया जाए। अन्यथा की स्थिति में खंड शिक्षा अधिकारी / जिला शिक्षा अधिकारी को अवगत कराया जाए।
    - ✓ प्रत्येक शिक्षक के पास एन॰आई॰ओ॰एस॰ द्वारा निर्गत प्रवेश पत्र होना अनिवार्य है । यह प्रवेश पत्र एन॰आई॰ओ॰एस॰ की वैबसाइट www.nios.ac.in पर उपलब्ध है। प्रत्येक पंजीकृत शिक्षक का उत्तरदायित्व है कि वह अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर स्वयं के हस्ताक्षर करेंगे तथा अपने प्रधानाचार्य की सील लगवाकर एवं हस्ताक्षर करवाने के उपरांत अध्ययन केंद्र पर दिखाएंगें।
3. प्रथम दिवस की पी॰सी॰पी॰ के अंतर्गत निम्न कार्यवाही अनिवार्य रूप से की जाए :-
    - ✓ प्रत्येक पंजीकृत शिक्षक को बताया जाए कि उनका भारत सरकार के स्वयं पोर्टल पर पंजीकरण होना अनिवार्य है। यदि सेवारत शिक्षक इस तथ्य से अनभिज्ञ हैं तो उन्हें स्वयं पोर्टल पर पंजीकरण करने की प्रक्रिया को इंटरनेट की सहायता से बताया जाए। स्वयं पोर्टल के माध्यम से अध्ययन करना अनिवार्य है।
    - ✓ प्रत्येक डी॰एल॰एड॰ प्रशिक्षु को DTH क्रय किए जाने हेतु 1500/- रुपए की छूट दी गयी थी। अतः यह सुनिश्चित किया जाए कि सेवारत शिक्षक द्वारा DTH में स्वयंप्रभा चैनल न॰ 32 का उपयोग अपने अध्ययन हेतु किया जा रहा है। प्रत्येक सेवारत शिक्षक एन॰आई॰ओ॰एस॰ की वैबसाइट www.nios.ac.in पर जाकर DTH से संबन्धित आवश्यक सूचना भरें। अध्ययन केंद्र इसका इंटरनेट के माध्यम से प्रदर्शन (डेमो) करें।
    - ✓ डी॰एल॰एड॰ पाठ्यक्रम संबंधी मुद्रित सामग्री एन॰आई॰ओ॰एस॰ की वैबसाइट www.nios.ac.in पर उपलब्ध है। सेवारत शिक्षक वैबसाइट से अध्ययन सामग्री डाउनलोड कर सकते हैं। प्रशिक्षुकों को इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री के बारे में बताया जाए।
    - ✓ डी॰एल॰एड॰ हेतु एन॰आई॰ओ॰एस॰ का डी॰एल॰एड॰ एप उपलब्ध है। यह सभी स्मार्टफोन पर डाउनलोड किया जा सकता है। अध्ययन केंद्र पर मोबाइल पर डी॰एल॰एड॰ एप का प्रदर्शन किया जाए, जिससे सेवारत शिक्षक इसका उपयोग कर सकेंगें। (यह एप सभी स्मार्टफोन के प्ले स्टोर में डी॰एल॰एड॰ नाम से उपलब्ध है।)
    - ✓ प्रथम दिवस में सेवारत अप्रशिक्षित शिक्षकों को यह भी बताया जाए कि डी॰एल॰एड॰ पाठ्यक्रम में अध्ययन हेतु एन॰आई॰ओ॰एस॰ का वैब रेडियो मुक्त विद्या वाणी का किस प्रकार उपयोग किया जा सकता है। यह वैब रेडियो एन॰आई॰ओ॰एस॰ की वैबसाइट www.nios.ac.in पर उपलब्ध है। अध्ययन केंद्र इसका इंटरनेट के माध्यम से प्रदर्शन (डेमो) करें।

4. एन॰आई॰ओ॰एस॰ के क्षेत्रीय केंद्र देहरादून की वैबसाइट rcddn.nios.ac.in के डी॰एल॰एड॰ कोर्नर में प्रत्येक कोर्स हेतु एसाइनमैंट दिये गए हैं। प्रशिक्षुकों को एसाइनमैंट करने के संबंध में दिशा निर्देश दिये जाएँ।
5. उक्त के अतिरिक्त प्रत्येक दिवस के लिए पी॰सी॰पी॰ कार्यक्रम आयोजित किए जाने हेतु क्षेत्रीय केंद्र देहरादून की वैबसाइट rcddn.nios.ac.in के डी॰एल॰एड॰ कोर्नर पर संक्षिप्त विवरण दिया गया है। कृपया इसके अनुसार कार्यवाही करें।
6. प्रत्येक रेसोर्स पर्सन को प्रोग्राम गाइड डाउनलोड कर प्रदान की जाए। साथ ही पाठ्य सामग्री डाउनलोड कर प्रिंट में भी उपलब्ध कराई जाए।
7. प्रथम दिवस में एन॰आई॰ओ॰एस॰ के अध्यक्ष श्री सी॰बी॰ शर्मा का डी॰एल॰एड॰ पाठ्यक्रम संबंधी वीडिओ संदेश सेवारत शिक्षकों को सुनाया जाए। यह वीडिओ क्षेत्रीय केंद्र देहरादून की वैबसाइट rcddn.nios.ac.in के डी॰एल॰एड॰ कोर्नर पर उपलब्ध है।